 Roll No. .......................

# MASL–104

## नाटक एवं नाट्यशास्त्र

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

### खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य विषय का विवेचन करते हुए प्रमुख टीकाकारों का परिचय दीजिए।
2. दशरूपक के अनुसार पाँच अर्थप्रकृतियों तथा सन्धियों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए—

(क) पञ्चप्रसूतेरपि तस्य राज्ञः
प्रियो विशेषेण सुबाहु शत्रुः।
वधू चतुष्केऽपि तथैव नान्या
प्रिया तनूजास्य यथैव सीता॥

(ख) बज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति॥

(ग) सवर्था व्यवहर्तव्यं कुतो ह्यवचनीयता।
यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्त्वे दुर्जनो जनः॥

4. भवभूति की कृतियों का परिचय देते हुए सिद्ध कीजिए कि भवभूति करुण रस के प्रतिष्ठापक हैं।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रूपक के भेदों को समझाइये।
2. 'उत्तररामचरितम्' के द्वितीय अंक का सार लिखिए।
3. "एको रसः करुण एव" इस विषय पर एक लेख लिखिए।
4. "ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोनुधावति" पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. नायकों के प्रकार समझाइये।
6. दशरूपकानुसार रस क्या है ? समझाइये।
7. 'उत्तररामचरितम्' की भाषा शैली पर एक निबन्ध लिखिए।
8. सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

## खण्ड–ग

## (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प चुनिये :

1. 'उत्तरामचरितम्' में प्रधान रस है—
   (अ) श्रृंगार
   (ब) वीर
   (स) करुण
   (द) हास्य
2. गर्भ सन्धि की योजना हुई है—
   (अ) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में
   (ब) मेघदूत में
   (स) उत्तररामचरितम् में
   (द) प्रतिमानाटक में
3. 'उत्तररामचरितम्' का आधार ग्रन्थ है—
   (अ) महाभारत
   (ब) वेद
   (स) दर्शन
   (द) रामायण

4. अर्थप्रकृतियों की संख्या है—
   (अ) तीन
   (ब) चार
   (स) पाँच
   (द) सात

5. नायक के कितने भेद हैं ?
   (अ) एक
   (ब) पाँच
   (स) तीन
   (द) चार

6. रूपक में हास्य रस हेतु कौन-सा पात्र है ?
   (अ) नायक
   (ब) नायिका
   (स) विदूषक
   (द) सूत्रधार

7. 'मालतीमाधव' किसकी रचना है ?
   (अ) कालिदास
   (ब) भवभूति
   (स) बाणभट्ट
   (द) विशाखदत्त

8. 'उत्तररामचरितम्' के रचयिता हैं—
   (अ) व्यास
   (ब) वाल्मीकि
   (स) भवभूति
   (द) भास

9. रूपक में मंगलाचरण के लिए क्या प्रयुक्त होता है ?

(अ) मंगल

(ब) नान्दी

(स) भरतवाक्यम्

(द) उपर्युक्त सभी

10. क्षमावान् अविकत्थनः किस नायक का लक्षण है ?

(अ) धीरोद्धत

(ब) धीरोदात्त

(स) धीरललित

(द) धीरप्रशान्त